ESIC अस्पताल, तिरुनेलवेली ने 24 सितंबर 2024 को हिंदी "राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता" प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

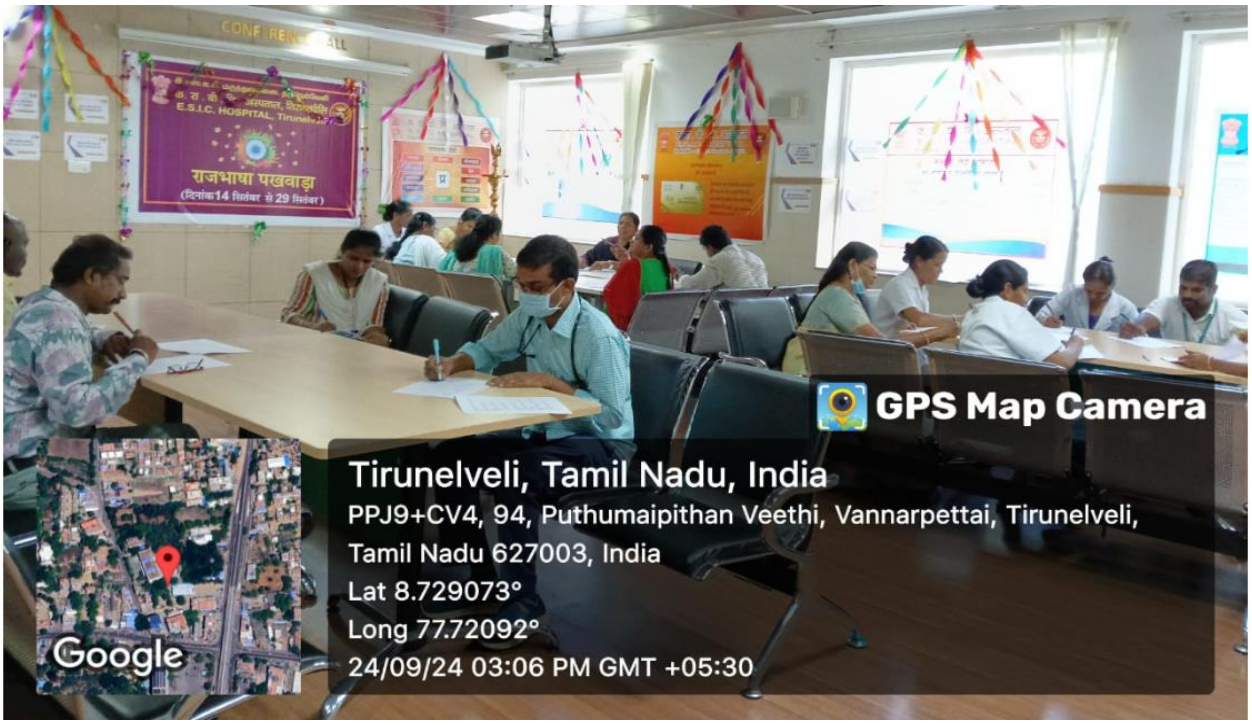

कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल
तिरुनेलवेली

आपको सादर आमंत्रित करता है

हिंदी पखवाड़ा समापन
एवं पुरस्कार वितरण समारोह

सम्माननीय मुख्य अतिथि

श्रीमती एस. रामलक्ष्मी

एमए, एमफिल, पीजीडीटी , बीएड (हिंदी)

हिंदी विदुषी

30सितंबर 2024 दोपहर 3.00 बजे

स्थान: कॉन्फ्रेंस हॉल

कार्यक्रम सूची

- पंचदीप प्रज्वलन
- स्वागत भाषण
- अतिथि का सम्मान
- राजभाषा कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण
- सम्मानित अतिथि का संबोधन
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- पुरस्कार वितरण
- धन्यवाद प्रस्ताव
- राष्ट्रीय गीत

सभी का हार्दिक स्वागत!

ESIC अस्पताल, तिरुनेलवेली ने 30 सितंबर 2024 को हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथियों ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे सभी प्रतिभागियों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ। यह समारोह हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।

CONFERENCE HALL
क. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेली
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
राजभाषा
(दिनांक14 सितंबर
राजभाषा, हिंदी
प्र

CONFERENCE HALL
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli

CONFERENCE HALL
E.S.I.C. HOSPITAL Tirunelveli

प्रचार
प्रयोग

unicode
क्या है ?
राजभाषा

पुरस्कार
First Prize (प्रथम पुरस्कार): ₹1800/-
Second Prize (द्वितीय पुरस्कार): ₹1500/-
Third Prize (तृतीय पुरस्कार): ₹1200/-
Incentive Prize 1 (प्रोत्साहन पुरस्कार-1): ₹500/-
Incentive Prize 2 (प्रोत्साहन पुरस्कार-2): ₹500/-

CONFERENCE H
இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
क. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
जभाषा पखवाड़ा
14 सितंबर से 29 सितंबर)

CONFERENCE HALL
இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
क. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli

क. रा . बी . नि . अस्पताल,
HOSPITAL,
सितंबर से 29 सितंबर

இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
க. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
राजभाषा पखवाड़ा
क14 सितंबर से 29 सितंबर)

இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
க. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
राजभाषा पखवाड़ा

CONFERENC
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunel
4 सितंबर से 29

CONFERENCE HA
இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
क. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
ा पखवाड़ा
तंबर से 29 सितंबर)

CONFERENCE HA
இ.எஸ்.ஐ.சி. மருத்துவமனை, திருநெல்வேலி
क. रा. बी. नि. अस्पताल, तिरुनेलवेलि
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli
भाषा पखवाड़ा
सितंबर से 29 सितंबर

CONFERENCE HALL
E.S.I.C. HOSPITAL, Tirunelveli

E.S.I.C. HOSPITAL
INDIA
E.S.I.C. HO
Kanthasth ("कण्ठस्थ") is a memory based translation software that was developed by the Department of Official Language with the help of C-DAC, Pune. The Kanthasth 1.0 was launched on 18th August 2018, in (WHC) in Mauritius by the then Hon'bl Affairs in Mauritius, 2018. Kantha Honourable Union Home and Coopera on 14th September on the occasion Gujarat. The mobile version for Andro launched at the 12th World Hindi Confe it has a Translation Memory (TM) datab data in the form of source-language an

हिंदी दिवस 2024 के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी का संदेश

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह वर्ष-2024 के अवसर पर निगम की अपील महानिदेशक,

k

अपील

राजभाषा हिंदी में काम करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। प्रत्येक वर्ष हम राजभाषा पखवाड़ा मनाते हैं तथा राजभाषा हिंदी में कार्य करने की अपील की जाती है। इसी के साथ यह भी ध्यान रखें कि हम सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करें। संविधान द्वारा दिए गए दायित्व का पालन करें और कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करें।

मेरी अपील रहेगी कि आप अपने कार्यों को इस प्रकार से और ऐसी सरलता से करें जिससे बीमाकृत व्यक्ति हमसे सहजता से जुड़ें और बेझिझक अपनी भाषा में हमसे संपर्क और संवाद स्थापित कर सकें। इस राजभाषा पखवाड़े से भारतीय भाषाओं का सम्मान करते हुए कार्य परंपरा में एक नयी शुरुआत करें-हिंदी में बात करें, हिंदी में कार्य करें, राजभाषा का सम्मान करें।

(अशोक कुमार सिंह)
महानिदेशक

ESIC अस्पताल, तिरुनेलवेली में हिंदी बोलने वाले प्रतिभागियों की अनुपस्थिति थी, इसलिए हिंदी राजभाषा प्रतियोगिताओं के दौरान केवल गैरहिंदी बोलने वाले - व्यक्तियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य उन लोगों को शामिल करना और प्रोत्साहितकरना था जो हिंदी में धाराप्रवाह नहीं हो सकते हैं, ताकि भाषा के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाई जा सके।

कर्मचारीराजयबीमानिगम
(श्रमएवंरोजगारमंत्रालय, भारतसरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employment, Govt. of India)

क.रा.बी.नि
ESIC

सत्यमेव जयते

क.रा.बी.निअस्पताल, वन्नारपेट्टै, तिरुनेलवेली - 627003
E.S.I.C. HOSPITAL, VANNARPETTAI,
TIRUNELVELI – 627 003
Phone : 0462 – 2502199
E-mail: ms-tirunelveli@esic.gov.in
Web site: www.esic.gov.in

S13-A/49/11/ESICH/TNL/Hindi/Vol.IV

कार्यालय आदेश संख्या 2024 का 152 (ई) / OFFICE ORDER NO. 152 (E) Of 2024

सक्षम प्राधिकारी ने निम्नलिखित अधिकारियों को हिंदी पखवाड़े प्रतियोगिता में भाग लेने पर नकद पुरस्कार के रूप में /- रुपये (बैंतीसहजारआठसौमात्र) की स्वीकृति प्रदान की है।

The Competent Authority has accorded sanction for a sum of **Rs. 22000/- (Rupees Twenty Two Thousand Only)** towards Cash Prize on participating Hindi Fortnight competition to following Officials.

सितंबर 2024 के हिंदी पखवाड़े में प्रतिभागियों की पुरस्कार सूची / Prize List of the participants in Hindi Fortnight for Sep 2024

प्रतियोगिताकानाम Name of the Competition		अधिकारीकानाम Name of the Official (Dr. / Shri./ Smt.)	क. आ Emp. ID	पुरस्कार Prizes	राशि (रु.) Amount (Rs.)
हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता Noting-Drafting	हिंदीतर भाषी Non-Hindi speaking	P. Ponmudi	172656	1st Prize	1800.00
		S. Brindha	140840	2nd Prize	1500.00
		G. Rajeshwaran	140641	3rd Prize	1200.00
		C. Rajasekaran	112968	Consolation Prize	500.00
		S. Gandhimathi	140819	Consolation Prize	500.00
हिंदी वाक्प्रतियोगिता Elocution	हिंदीतर भाषी Non-Hindi speaking	Jinisha	178652	1st Prize	1800.00
		V.S. Brindha	122641	2nd Prize	1500.00
		B. Anandha Priya	112957	3rd Prize	1200.00
		D. Sam Thomas	146260	Consolation Prize	500.00
		O. V. Soorya	178922	Consolation Prize	500.00
राजभाषा ज्ञान लिखित रूप से संक्षिप्त प्रश्नोत्तर Knowledge of O.L.	हिंदीतर भाषी Non-Hindi speaking	P. Roselin Marybai	141348	1st Prize	1800.00
		P. Ponmudi	172656	2nd Prize	1500.00
		N.N. Uma Abirami	136777	3rd Prize	1200.00
		M. Palanivel Rajan	112918	Consolation Prize	500.00
		K. Lavanya	185675	Consolation Prize	500.00
हिंदी निबंध प्रतियोगिता Essay Competition	हिंदीतर भाषी Non-Hindi speaking	R.K. Asha	183460	1st Prize	1800.00
		F. Priya	142047	2nd Prize	1500.00
		C. Miller Edison	120295	3rd Prize	1200.00
		N. Nagavalli	139659	Consolation Prize	500.00
		R. Sabitha	163674	Consolation Prize	500.00
Grand Total (Rs.)					22000.00

श्री. वरलक्ष्मी

हिंदीअधिकारी (Hindi Officer)

To

1. The Official Concerned.
2. The DDO, Cash Branch, ESIC Hospital, Tirunelveli.
   Cash Branch with a request to disburse the above prize money through ECS.
3. The Assistant Director, Finance & Accounts Branch, ESIC Hospital, Tirunelveli.
4. Personal File / Service Book / O.O. File / Spare

सक्षम प्राधिकारी ने निम्नलिखित अधिकारियों को हिंदी पखवाड़े प्रतियोगिता में भाग लेने पर नकद पुरस्कार के रूप में 22000/- रुपये (बाईस हजार मात्र) की स्वीकृति प्रदान

सितंबर 2024 के हिंदी पखवाड़े में प्रतिभागियों की पुरस्कार सूची

प्रतियोगिता का नाम	अधिकारीकानाम			पुरस्कार	राशि (रु.)
हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता	हिंदीतर भाषी	पी. पोन्मुदी	172656	प्रथम पुरस्कार	1800.00
		एस. बृंदा	140840	द्वितीय पुरस्कार	1500.00
		जी. राजेश्वरन	140641	तृतीय पुरस्कार	1200.00
		सी. राजासेकरन	112968	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
		एस. गांधीमाथी	140819	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
हिंदी वाक्प्रतियोगिता	हिंदीतर भाषी	जिनिशा	178652	प्रथम पुरस्कार	1800.00
		वी.एस. बृंदा	122641	द्वितीय पुरस्कार	1500.00
		बी. आनंदा प्रिया	112957	तृतीय पुरस्कार	1200.00
		डी. सैम थॉमस	146260	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
		ओ. वी. सूर्य	178922	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
राजभाषा ज्ञान लिखित रूप से संक्षिप्त प्रश्नोत्तर .	हिंदीतर भाषी	पी. रोसेलिन मेरीबाई	141348	प्रथम पुरस्कार	1800.00
		पी. पोन्मुदी	172656	द्वितीय पुरस्कार	1500.00
		एन.एन. उमा अभिरामी	136777	तृतीय पुरस्कार	1200.00
		एम. पलानीवेल राजन	112918	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
		के. लावण्या	185675	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
हिंदी निबंध प्रतियोगिता	हिंदीतर भाषी	आर.के. आशा	183460	प्रथम पुरस्कार	1800.00
		एफ. प्रिया	142047	द्वितीय पुरस्कार	1500.00
		सी. मिलर एडिसन	120295	तृतीय पुरस्कार	1200.00
		एन. नागवैली	139659	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
		आर. सबिता	163674	प्रोत्साहन पुरस्कार	500.00
कुल राशि Grand Total (Rs.)					22000.00

हिंदी राजभाषा समारोह के लिए नाश्ते

आपकी उपस्थिति और हिंदी राजभाषा समारोह में भागीदारी के प्रति हमारी सराहना के रूप में, हमने नाश्ते का एक आनंददायक पैकेट तैयार किया है। यह एक इशारा है ताकि हम आपके मूल्यवान योगदान के लिए धन्यवाद कर सकें।

धन्यवाद नोट: एक व्यक्तिगत नोट जिसमें आपकी भागीदारी और समर्थन के लिए हमारी कृतज्ञता व्यक्त की गई है।

उद्देश्य : ये नाश्ते केवल एक आभार का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि उपस्थित लोगों को नेटवर्किंग करने और समारोह से प्राप्त अंतर्दृष्टियों पर चर्चा करने का एक अवसर भी प्रदान करते हैं।

हिंदी राजभाषा समापन समारोह कार्यक्रम

- तारीख: 30 सितंबर 2024

  समय: 3:00 PM

  स्थान: सम्मेलन हॉल, ईएसआईसी अस्पताल, तिरुनेलवेली

कार्यक्रम की अनुसूची

- स्वागत भाषण- श्रीमती एस. बृंदा द्वारा
- पंचदीप प्रज्वलन- चिकित्सा अधीक्षक, अतिथि, अतिरिक्त निदेशक, मैट्रन, चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा
- तमिल थाईवाज़्थु
- प्रार्थना गीत- डॉ. पार्वती द्वारा
- अतिथि का सम्मान
- हिंदी दिवस 2024 पर माननीय गृह मंत्री जी का संदेश - डॉ. एस. वरालक्ष्मी द्वारा
- महानिदेशक - अपील- श्रीमती गोमथी द्वारा
- हिंदी पखवाड़े की झलक- डॉ. एस. वरालक्ष्मी द्वारा
- चिकित्सा अधीक्षक का भाषण- डॉ. आर. मगेश द्वारा
- मुख्य अतिथि का परिचय- डॉ. उमा अभिरामी द्वारा
- मुख्य अतिथि का भाषण- श्रीमती एस. रामालक्ष्मी द्वारा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम

  गीत: डॉ. राजशेखर

  नृत्य: काव्य टीम

  नृत्य: संत्रिनिका टीम

  नाटक: मुथुसेल्वी, डॉ. सुप्रजा टीम

नृत्य: सत्या, काव्या टीम

नृत्य: प्रेसिला, गेट्सी पुष्पलता, एंथोनियम्मल टीम

- पुरस्कार वितरण
- धन्यवाद ज्ञापन- श्री पी. पोन्मुदी द्वारा
- राष्ट्रीय गान

यह समारोह हिंदी राजभाषा गतिविधियों के समापन को चिह्नित करता है और इसमें हिंदी भाषा के प्रचार में योगदान देने वालों को सम्मानित करने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और भाषण शामिल हैं।